RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 177
दि. 29.10.2025, बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI   Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

राष्ट्रपति ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन सभा के आठवें सत्र के शुरू हुए पूर्ण अधिवेशन का उद्घाटन किया

सौर ऊर्जा केवल विद्युत उत्पादन के बारे में नहीं है, बल्कि सशक्तिकरण और समावेशी विकास के बारे में भी है: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

जैसे-जैसे हम बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा प्रतिष्ठान स्थापित करते हैं, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इसके साथ-साथ उस क्षेत्र का पारिस्थितिक संतुलन बना रहे: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (28 अक्टूबर, 2025) नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन सभा (आईएसए) के आठवें सत्र के शुरू हुए पूर्ण अधिवेशन का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि आईएसए मानवता की उस साझा आकांक्षा का प्रतीक है, जिसमें सौर ऊर्जा को अपनाने और उसके उपयोग को प्रोत्साहित करके इस अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करती है और ऐसे अवसरों को सामने लाती है जो

सौर ऊर्जा को समावेशन, गरिमा और सामूहिक समृद्धि के स्रोत के रूप में अपनाने की भावना निहित है।

राष्ट्रपति महोदया ने कहा कि जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहा है। इस खतरे से निपटने के लिए तत्काल और ठोस कदम उठाए जाने जरूरत है। भारत जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है और दृढ़ कदम उठा रहा है। उन्होंने रेखांकित किया कि आईएसए वैश्विकचुनौती को संबोधित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रपति ने कहा कि समावेशन का विचार भारत की विकास यात्रा को परिभाषित करता है।

दूर-दराज के क्षेत्रों में घरों को रोशन करने के हमारे अनुभव से हमारी ये मान्यता पुष्ट होती है कि ऊर्जा समानता, सामाजिक समानता की नींव है। सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच समुदायों को सशक्त बनाती है, स्थानीय केवल विद्युत प्रदान करने से कहीं आगे तक जाते हैं।

उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा केवल विद्युत उत्पादन के बारे में नही है, बल्कि सशक्तिकरण और समावेशी विकास के बारे में भी है।

राष्ट्रपति महोदया ने सभी सदस्य देशों से बुनियादी ढांचे से परे सोचने और लोगो के जीवन पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस सभा को एक सामूहिक कार्य योजना विकसित करनी चाहिए जो सौर ऊर्जा को रोजगार सृजन, महिला नेतृत्व, ग्रामीण आजीविका और डिजिटल समावेशन से जोड़े। हमारी प्रगति को केवल मेगावाट के माध्यम से नहीं मापा जाना चाहिए, बल्कि प्रकाशित जीवनों की संख्या, सशक्त परिवारों की संख्या और रूपांतरित हुए समुदायों की संख्या से मापा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी विकास और नवीनतम और उन्नत प्रौद्योगिकीयों के साझा उपयोग पर भी ध्यान देना आवश्यक है,ताकि अधिकतम लाभ सुनिश्चित हो सकें। उन्होंने जोर देकर कहा कि जैसे-जैसे हम बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा प्रतिष्ठान का विस्तार कर रहे हैं, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि क्षेत्र का पारिस्थितिक संतुलन बना रहे, क्योंकि पर्यावरण संरक्षण ही हरित ऊर्जा की ओर अग्रसर होने का मूल कारण है।

श्रीमति मुर्मु ने कहा कि हमें न केवल अपने देशों के लिए, बल्कि पूरे विश्व के लिए, और न केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए भी अधिक समर्पण के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस सभा के विचार-विमर्श और निर्णय सौर ऊर्जा के उत्पादन में एक बड़ी उपलब्धि साबित होंगे, जो एक समावेशी और न्यायसंगत विश्व के निर्माण में योगदान देंगे।

सीएम योगी का निर्देश: अयोध्या में अनियोजित प्लॉटिंग-बसावट पर लगेगी रोक, बनेगी प्रदेश की आध्यात्मिक राजधानी

लखनऊ। (जीएनएस)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि अयोध्या को प्रदेश की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में विकसित करने की शुरूआत की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या महायोजना 2031 से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा के दौरान कहा कि इसमें भव्यता, आस्था और आधुनिकता का समन्वित रूप होना चाहिए। अयोध्या में अनियोजित प्लाटिंग व बसावट को रोका जाए। सभी विकास कार्य महायोजना के अनुकूल होने चाहिए। अयोध्या को सुनियोजित, सुव्यवस्थित और सतत विकसित कर विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करना है।

सीएम ने कहा कि विकास कार्यों में अयोध्या की सांस्कृतिक पहचान, धार्मिक गरिमा और पर्यावरणीय संतुलन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी

जाए। इसे ग्लोबल आध्यात्मिक नगरी, ज्ञान नगरी, उत्सव नगरी, तीर्थ अनुकूल अवसंरचना, ऐतिहासिक सर्किट व हेरिटेज वॉक, हरित एवं सौर ऊर्जा आधारित नगरी के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। महायोजना का उद्देश्य शहर को ग्लोबल स्पिरिचुअल एवं टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करना है। अयोध्या विकास क्षेत्र को 18 जोन में विभाजित कर संतुलित भूमि उपयोग सुनिश्चित किया गया है। इसमें 52.56 प्रतिशत भूमि आवासीय, 5.11 प्रतिशत वाणिज्यिक, 4.65 प्रतिशत औद्योगिक, 10.28 प्रतिशत सार्वजनिक उपयोग, 12.20 प्रतिशत परिवहन एवं 14.31 प्रतिशत हरित एवं खुले क्षेत्र के लिए नियोजित की गई है।

उन्होंने मिश्रित तथा औद्योगिक भूमि को बढ़ावा देने और पंचकोसी और 14 कोसी परिक्रमा मार्ग पर विविध गतिविधियों के लिए भूमि आरक्षित करने को कहा।

'मोंथा' चक्रवात के कारण 60 से अधिक ट्रेनें रद्द

(जीएनएस)।

बंगाल की खाड़ी में तेजी से विकराल रूप ले रहे चक्रवाती तूफान 'मोंथा' के कारण ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। यह चक्रवात आज मंगलवार देर रात तक दोनों तटीय राज्यों से टकरा सकता है।

इस दौरान, चक्रवात 'मोंथा' 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तटों को पार कर सकता है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए,संवेदनशील क्षेत्रों में सरकारों ने शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने का फैसला किया है, जबकि रेलवे ने यात्रियों को बड़ा झटका देते हुए 60 से अधिक ट्रेनों को रद्द कर दिया है।

चक्रवात 'मोंथा' के कारण रेलवे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। सुरक्षा उपायों के तहत, 60 से अधिक ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले ट्रेनों की स्थिति की पुष्टि अवश्य कर लें।

आज रद्द की गई प्रमुख ट्रेनों की लिस्ट (28 और 29 अक्टूबर)

67281: विजयवाड़ा - भीमावरम (28.10.2025)

67283: भीमावरम- निडदावोलु (28.10.2025)

67284: निडदावोलु- भीमावरम (28.10.2025)

67265: विजयवाड़ा - मछलीपट्टनम (28.10.2025)

17257: विजयवाड़ा - काकीनाडा पोर्ट (28.10.2025)

67230: गुंटूर - विजयवाड़ा (28.10.2025)

67231: तेनाली-रेपल्ले (28.10.2025)

67232: रेपल्ले-तेनाली (28.10.2025)

07523: काकीनाडा पोर्ट- राजमुंदरी (29.10.2025)

67262: विजयवाड़ा - राजमुंदरी (29.10.2025)

यात्रीगण अपनी यात्रा शुरू करने से पहले रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर ट्रेन की स्थिति अवश्य जांच लें।

मौसम विभाग का अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार, तूफान के दौरान हवाएं 90 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चल सकती हैं।

छठ की रंग में रंगे राजनेता, सीएम नीतीश कुमार से लेकर चिराग पासवान तक ने की छठ मईया की पूजा

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की अंतिम अराधना आज सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुई। राज्यभर में श्रद्धा और

उत्साह का माहौल देखने को मिला। राजधानी पटना के अटल पथ पर सुबह करीब 4:30 बजे एक किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिसे हटाने में प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। इससे जेपी सेतु घाट, दीघा घाट 83, दीघा घाट 88 और दीघा घाट 93 जाने वाले श्रद्धालुओं को थोड़ी असुविधा हुई।

गृहमंत्री अमित शाह इस दिन जारी करेंगे एनडीए का मेनिफेस्टो

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए चुनावी बिसात बिछनी शुरू हो गई है। महागठबंधन द्वारा आज शाम अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी किए जाने के बाद, अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) भी अपनी पूरी शक्ति के साथ मैदान में उतरने को तैयार है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 30 अक्टूबर को पटना में भाजपा के घोषणा पत्र (जो संभवतः NDA का साझा घोषणा पत्र होगा) का विमोचन करेंगे।

अमित शाह की यह मौजूदगी न केवल ठऊ्र के चुनावी अभियान को धार देगी, बल्कि महागठबंधन के वादों और संभावित उपमुख्यमंत्री पद के ऐलान पर भी ठऊ्र की सीधी प्रतिक्रिया को दर्शाएगी। यह घटनाक्रम बिहार की राजनीति में आने वाले दिनों में और भी गरमाहट पैदा करेगा।

ठऊ्र के घोषणा पत्र जारी करने के दौरान भारतीय जनता पार्टी (BJP) सहित गठबंधन के सभी घटक दलों के प्रमुख नेता मौजूद रहेंगे। यह दशार्ता है कि NDA भी एकजुटता का संदेश देने और अपने साझा एजेंडे को जनता के सामने रखने के लिए तैयार है। यह देखना दिलचस्प होगा कि ठऊ्र महागठबंधन द्वारा किए जाने वाले वादों का किस प्रकार जवाब देता है और अपने घोषणा पत्र में कौन से नए और आकर्षक वादे शामिल करता है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए महागठबंधन ने अपना बहुप्रतीक्षित चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया है, जिसका नाम 'तेजस्वी प्रण' रखा गया है। इस घोषणापत्र के कवर पर तेजस्वी यादव की ही तस्वीर है, जो उन्हें महागठबंधन के मुख्यमंत्री (CM) चेहरे के रूप में मजबूती से स्थापित करती है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव के साथ पवन खेड़ा, दीपांकर भट्टाचार्य और मुकेश सहनी जैसे प्रमुख नेता भी मौजूद रहे। इस मैनिफेस्टो में रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और किसानों के कल्याण जैसे मुख्य मुद्दों को प्राथमिकता दी गई है, जिसे बिहार की चुनावी राजनीति में एक बड़ा दांव माना जा रहा है।

'तेजस्वी प्रण' के 10 प्रमुख वादे

अति पिछड़ा अत्याचार निवारण कानूनः SC-ST एक्ट की तर्ज पर EBC के लिए भी सख्त अत्याचार विरोधी कानून लाया जाएगा, जिसमें दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी।

EBC आरक्षण में बढ़ोतरीः पंचायत और नगर निकाय चुनावों में अति पिछड़ा वर्ग का आरक्षण 20% से बढ़ाकर 30% किया जाएगा।

50% आरक्षण सीमा खत्म करने की मांगः संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग करते हुए, OBC, SC, ST और EBC समुदायों के लिए 50% की आरक्षण सीमा को खत्म करने का वादा किया गया है।

सरकारी नौकरियों में 'NFS' सिस्टम बंदः 'नॉट फाउंड सुटेबल' (NFS) व्यवस्था को खत्म किया जाएगा, ताकि योग्य उम्मीदवारों को सरकारी नौकरियों से वंचित न किया जा सके।

उत्साह-श्रद्धा के साथ मनाया गया लोक आस्था का पर्व, सीएम धामी और मुख्य सचिव ने दिया सूर्य को अर्घ्य

(जीएनएस)।

लोक आस्था का पर्व छठ पूजा उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने भी सपरिवार प्रेमनगर स्थित टोंस नदी के घाट पर पहले अस्ताचलगामी और फिर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस अवसर पर उन्होंने सूर्यदेव एवं छठ माता से प्रदेश की समृद्धि और खुशहाली की कामना की है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्वांचल सेवा समिति द्वारा संजय रेलवे पार्क, खटीमा में आयोजित सूर्य षष्ठी व्रत महोत्सव (छठ पूजा) के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम में पहुंचकर मुख्यमंत्री ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। उन्होंने प्रदेश की सुख,समृद्धि व खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का ये पावन पर्व हमारी सनातन संस्कृति की उस उज्ज्वल परंपरा का प्रतीक है, जिसमें आस्था, अनुशासन, तपस्या और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता एक साथ दिखाई देती है। छठ पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि ये जीवन मूल्यों और पारिवारिक संस्कारों का महापर्व है।

उत्तराखंड : 1 से 9 नवंबर तक रजत जयंती समारोह में रंगारंग कार्यक्रम

(जीएनएस)।

उत्तराखंड के 25 साल पूरे होने पर प्रदेश में 01 नवंबर से 09 नवंबर तक रजत जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्रत्येक दिन अलग-अलग विषय की थीम पर आधारित विविध कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। सचिव धर्मस्व संस्कृति युगल किशोर पंत ने बताया कि प्रदेश से लेकर देश भर के कई कलाकार इस दौरान रंगारंग प्रस्तुति देंगे।

01 नवंबर प्रथम सत्र प्रातः 11.00 बजे से 2.00 बजे तक लोक नृत्य प्रस्तुति, द्वितीय सत्र अपराह्न 03.30 से 05.00 बजे तक भातखंडे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय पौड़ी के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति एवं तृतीय सत्र में सांय 6 बजे से 9 बजे तक रामेश्वरी भट्ट द्वारा जागर गायन, नागालैंड की प्रस्तुति यूलिखेरी, सुरेश बाडेकर द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

02 नवम्बर को 11 बजे से 2 बजे तक लोक नृत्य प्रस्तुति, हिमांचल के सांस्कृतिक दलों द्वारा नाटी प्रस्तुति, नृत्यांगन संस्था द्वारा गंगा अवतरण की प्रस्तुति, द्वितीय सत्र अपराह्न 03.30 से 05.00 बजे तक उत्तराखण्ड में सिनेमा विषय पर पैनल डिस्कशन, आर्य नन्दा द्वारा ओडिसी नृत्य एवं तृतीय सत्र में सांय 6 बजे से 9 बजे तक कमला देवी द्वारा लोक गायन प्रस्तुति, विपुल राय द्वारा सिम्फनी ऑफ हिमालयाज की प्रस्तुति, नरेन्द्र सिंह नेगी द्वारा लोक गायन की प्रस्तुति दी जायेगी।

03 नवम्बर को 11 बजे से 2 बजे तक जनजाति लोक नृत्य प्रस्तुति, तिब्बतियन इंस्टिट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट, धर्मशाला द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति, हिमांचल प्रदेश के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति, द्वितीय सत्र अपराह्न 03.30 से 05.00 बजे तक उत्तराखण्ड की लोकभाषा एवं संस्कृति विषय पर पैनल डिस्कशन तथा तृतीय सत्र में सांय 6 बजे से 9 बजे तक रित्विज पंत द्वारा चित्रांक पंत की तबला संगत में शास्त्रीय गायन, तिब्बतियन इंस्टिट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट, धर्मशाला द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति, पं. विश्व मोहन भट्ट द्वारा मोहन वीणा वादन का आयोजन किया जायेगा।

04 नवम्बर को 11 बजे से 2 बजे तक जनजाति लोक नृत्य प्रस्तुति, असम के लोक नृत्य एवं गायन की प्रस्तुति, हिमांचल प्रदेश के लोकनृत्य एवं गायन की प्रस्तुति, द्वितीय सत्र अपराह्न 03.30 से 05.00 बजे तक हिमालय में रंगमंच विषय पर पैनल डिस्कशन, तृतीय सत्र में सांय 6 बजे से 9 बजे तक योगेश खेतवाल द्वारा शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति,रोनू मजूमदार एवं मैसूर मंजूनाथ द्वारा बांसुरी एवं वायलिन की जुगलबंदी, पंडित हरीश गंगानी एवं नायनिका खंडूरी द्वारा कथक जुगलबंदी की प्रस्तुति दी जाएगी।

'खेसारी नचनिया तो क्या हेमा मालिनी सीता हैं' : ओम प्रकाश सिंह

(जीएनएस)।

बिहार में सियासी पारा चरम पर हैं, इसी के मद्दे नजर यहां पर चुनाव प्रचार जोरों पर हैं तो वहीं आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। इस बार चुनावी रण में कई भोजपुरी कलाकार भी उतरे हैं, इन्ही में से एक है सुपरस्टार खेसारीलाल यादव, जिन्हें राजद ने छपरा से टिकट दिया है लेकिन उन्हें लेकर लगातार विवाद जारी है।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने खेसारी को नाचने वाला कह दिया था, जिस पर अब विवाद गर्मा गया है। इस मसले पर जमानिया के विधायक और पूर्व मंत्री ओम प्रकाश सिंह ने विवादित टिप्पणी कर डाली है, जिस पर बवाल मच गया है।

महागबंधन के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि 'अगर खेसारी लाल नचनिया हैं, तो हेमा मालिनी कौन सी सीता मैया हैं?' हम भी कह दें कि वो भी उच्च कोटि की हैं... तब क्या होगा?'

'जो अंग्रेजी बोले उसे कलाकार कहो, जो गरीब वो नचनिया'

'एक गरीब घर का लड़का अपनी मेहनत के दम पर आज सफलता पर पहुंचा है तो उसे आप जो मर्जी कह दो, जो अंग्रेजी बोले उसे कलाकार कहो, ये कहां से सही है, अरे हमें तो उस पर गर्व है कि एक भोजपुरी बोलने वाले ने मुंबई जाकर नाम बिहार का नाम रौशन किया है लेकिन कुछ गंदी मानसिकता के लोग ये नहीं समझ सकते हैं।'

वो यही नहीं रूके उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा और कहा कि 'एनडीए गठबंधन वाले सभी मारीच के वंशज हैं और रूप बदलकर लोगों को ठगने का काम करते हैं। एक तरफ जीएसटी कमकरके वाहवाही बटोर रहे है और दूसरी ओर सीमेंट और कपड़े के दाम बढ़ा दिए, जनता इनका छल समझ चुकी है और वो इस बार किसी झांसे में नहीं आएगी।'

ओमप्रकाश सिंह 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में जमानिया से विधायक चुने गए थे।

वे सातवीं बार निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने 1998 से 1999 तक 12वीं लोकसभा में गाजीपुर का भी प्रतिनिधित्व किया है। वे समाजवादी पार्टी के सदस्य हैं। वे 2003 से 2007 तक उत्तर प्रदेश के सिंचाई मंत्री भी रहे थे। वो साल 2012 से 2017 तक अखिलेश यादव सरकार में पर्यटन मंत्री रहे थे।

चर्चगेट में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2025 समारोह के एक भाग के रूप में 27 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय, चर्चगेट में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस कार्यक्रम की शुरूआत पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता द्वारा 11:00 बजे जीएलओ लॉन में सत्यनिष्ठा शपथ दिलाने के साथ हुई, जिसमें सार्वजनिक सेवा में सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता के प्रति रेल कर्मियों की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

इसके बाद रेलवे कर्मचारियों द्वारा एक आकर्षक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें नैतिक आचरण के महत्व और भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला गया। इसके बाद श्री विवेक कुमार गुप्ता ने "सतर्कता जागरूकता सप्ताह" पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जिसमें पश्चिम रेलवे सतर्कता संगठन द्वारा की गई विभिन्न पहलों और निवारक सतर्कता उपायों को प्रदर्शित किया गया है।

पहली एवं दूसरी तस्वीर – पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ सतर्कता शपथ दिलाते हुए। तीसरी तस्वीर – पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए। चौथी तस्वीर – सेवानिवृत्त प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री महेश चंद्र एक विशेष सत्र के दौरान पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता, अपर महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार और वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री कुलदीप कुमार जैन के साथ एक विषय पर संबोधित करते हुए।

इसके बाद संवाद हॉल में एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जहाँ पश्चिम रेलवे के सेवानिवृत्त प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री महेश चंद्र ने लोक प्रशासन में सतर्कता, नैतिकता और जवाबदेही विषय पर एक प्रेरक व्याख्यान दिया। इस सत्र में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य केंद्रीय सतर्कता आयोग के सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के विषय के अनुरूप रेल कर्मचारियों के बीच ईमानदारी, निष्ठा और पारदर्शिता के मूल्यों को सुदृढ़ करना था।

भावनगर रेलवे मंडल के कर्मचारियों ने यात्री का भूलवश छूटा लैपटॉप सुरक्षित लौटाया

पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल के कर्मचारी अपने सम्मानित यात्रियों की सहायता हेतु सदैव तत्पर रहते हैं। इसी प्रतिबद्धता का एक उत्कृष्ट उदाहरण वेरावल स्टेशन पर देखने को मिला, जहाँ एक यात्री का लैपटॉप वाला बैग भूलवश छूट गया था, जिसे रेलवे कर्मचारियों ने अत्यंत ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ सुरक्षित रखकर यात्री को लौटा दिया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि लगभग एक सप्ताह पूर्व वेरावल स्टेशन पर एक लावारिश बैग एक रेलवे कर्मचारी को मिला था। कर्मचारी द्वारा सतर्कता दिखाते हुए बैग को स्टेशन अधीक्षक कार्यालय में जमा कराया गया। जांच के दौरान बैग में एक लैपटॉप मिला। बैग की गहन जांच करने पर एक संपर्क नंबर प्राप्त हुआ, जिस पर संपर्क करने पर यात्री ने

अपनी भूल स्वीकार की और रेलवे प्रशासन को धन्यवाद दिया।

यात्री, जो राजस्थान के निवासी हैं, ने वापसी पर बैग प्राप्त करने का अनुरोध किया तथा रेलवे से उसे सुरक्षित रखने का आग्रह किया। यात्री की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, बैग को स्टेशन पर सुरक्षित रूप से रखा गया। दिनांक 28 अक्टूबर, 2025 (मंगलवार) को संबंधित यात्री के वेरावल स्टेशन पर आगमन के पश्चात आवश्यक सत्यापन और पूछताछ के बाद लैपटॉप युक्त बैग उन्हें लौटा दिया गया।

लैपटॉप सुरक्षित रूप से प्राप्त होने पर यात्री ने रेलवे प्रशासन के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की और सभी संबंधित कर्मचारियों का धन्यवाद किया।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने इस सराहनीय कार्य के लिए संबंधित कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया और कहा कि यह कार्य भारतीय रेल की ईमानदारी, जिम्मेदारी एवं यात्री सेवा की भावना का प्रतीक है।

महागठबंधन के घोषणापत्र के वादों पर चिराग बोले- उन्हें सत्ता में आना ही नहीं है, तो झूठ बोलने में क्या हर्ज.

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले, महागठबंधन ने मंगलवार को अपना घोषणापत्र जारी किया है, जिसका नाम 'तेजस्वी प्रण पत्र' रखा गया है। इस दस्तावेज के कवर पेज पर तेजस्वी यादव की तस्वीर छापी गई है, जिसमें 'न्यायपूर्ण नए बिहार के लिए संकल्प पत्र 2025' लिखा है।

गठबंधन ने इस घोषणापत्र में रोजगार, महिला सशक्तिकरण, किसानों और अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। महागबंधन के इस घोषणा पत्र पर किए गए वादों पर सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल भाजपा समेत अन्य दलों के नेताओं ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

चिराग बोले- इन्हें झूठ बोलने में क्या जाता है

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा, "जब उनको पता है कि उन्हें सत्ता में आना ही नहीं है, तो झूठ बोलने में क्या हर्ज. है। अभी इन्होंने परिवार में एक सरकारी नौकरी की बात की है। अगर ये झूठ बोलना शुरू करेंगे, तो हर व्यक्ति को सरकारी नौकरी का वादा कर देंगे। ये झूठ बोलने में इतने माहिर हैं... सबको पता है कि यह संभव नहीं है।"

भाजपा मंत्री नित्यानंद बोले- जो खुद भ्रष्ट वो क्या विकास करेगा

इसी मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि, "आज 'घमंडिया' गठबंधन ने अपना घोषणापत्र जारी किया है। तेजस्वी यादव कहते हैं कि हम बिहार को भ्रष्टाचार से मुक्त करेंगे। जो व्यक्ति खुद भ्रष्ट है और विभिन्न घोटालों में दोषी ठहराया गया है, वह कैसे कह सकता है कि वह बिहार को भ्रष्टाचार से मुक्त करेगा?"

राय ने आगे जोड़ा, "15 साल के 'जंगल राज' के दौरान, कई घोटाले, अपराध और नफरत फैली... राजद सरकार ने हमेशा बिहार को विकास से दूर किया है... आप बस बिहार के लोगों को गुमराह कर रहे हैं।"

प्रशांत किशोर बोले- मूर्ख बनाने का प्रयास है

महागठबंधन के घोषणापत्र के बारे में प्रशांत किशोर ने टिप्पणी की, "यह चुनाव जीतने के लिए बिहार के लोगों को मूर्ख बनाने का एक और प्रयास है। असली लड़ाई एनडीए और जन सुराज के बीच है।"

तेजस्वी यादव के घोषणापत्र की मुख्य वादें क्या हैं?

हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी – 20 दिनों में कानून, 20 महीनों में भर्ती शुरू।

जीविका दीदियों को सरकारी दर्जा – ₹30,000 वेतन + ब्याजमुक्त ऋण। संविदा व आउटसोर्सिंग कर्मी स्थायी – सभी को नियमित किया जाएगा। रोजगार सृजन – IT पार्क, एऐ, औद्योगिक नीति, 5 एक्सप्रेसवे, 2000 एकड़ एजुकेशनल सिटी।

रिटायरमेंट के बाद कैसे करें दुनिया की सैर? समझदारी से प्लान करें 'टेंशन फ्री वर्ल्ड टूर'

(जीएनएस)।

भारत में रिटायरमेंट को लेकर लोगों की सोच तेजी से बदल रही है। जहां पहले इसे जिम्मेदारियों से मुक्ति और आराम का समय माना जाता था, वहीं अब यह जीवन का सबसे रोमांचक अध्याय बन गया है। फिल्म 'लगे रहो मुन्ना भाई' ने जब 'सेकंड इनिंग्स' का कॉन्सेप्ट दिखाया था, तब शायद किसी ने नहीं सोचा था कि यह शब्द आने वाले सालों में एक पूरी पीढ़ी की सोच बदल देगा।

अब भारतीय रिटायरीज रेस्ट नहीं करना चाहते, बल्कि दुनिया देखना, नया सीखना और खुद को फिर से खोजने के लिए निकल पड़ना चाहते हैं। इस बदलाव के पीछे है स्मार्ट फाइनेंशियल प्लानिंग, रक्ढ में निवेश की आदत, और जीवन को नए नजरिए से जीने की चाह।

वीजा की एक रिपोर्ट के अनुसार, 65 साल या उससे अधिक उम्र के भारतीयों की विदेश यात्रा अगले साल तक तीन गुना बढ़ जाएगी। रिपोर्ट बताती है कि इस आयु वर्ग के लोगों की विदेश यात्रा हर साल करीब 11.4

प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। इस बदलाव के पीछे दो बड़ी वजहें हैं – पहले से बेहतर ट्रैवल सुविधाएं और युवावस्था से शुरू की गई वित्तीय योजना।

बचत की आदत से मजबूत हुई 'सेकंड इनिंग्स'

आज कई लोग अपने कामकाजी वर्षों में ही रिटायरमेंट की प्लानिंग शुरू कर देते हैं। हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम बचाकर या एसआईपी (रक्ढ) के जरिए निवेश कर वे अपने बुढ़ापे के लिए मजबूत फंड तैयार करते हैं। रिटायरमेंट-फोकस्ड नई रक्ढ योजनाओं ने इस आदत को और आसान बना दिया है। छोटे निवेश भी समय के साथ कंपाउंडिंग से बड़े फंड में बदल जाते हैं, जिससे भविष्य में यात्रा और अन्य शौक पूरे किए जा सकते हैं।

अब रिटायर लोगों के लिए घूमना किसी लक्जरी से ज्यादा एक आत्मसंतुष्टि का जरिया बन गया है। जो लोग समय रहते योजना बनाते हैं, वे बिना बच्चों या इमरजेंसी फंड पर निर्भर हुए आराम से सफर का आनंद ले सकते हैं। कंपाउंडिंग का जादू यही है – जितनी जल्दी शुरूआत करें, उतना बड़ा लाभ मिलेगा।

रिटायरमेंट प्लानिंग का नया चेहरा

आज के रिटायरीज के पास निवेश के कई विकल्प हैं जैसे एन्युइटी प्रोडक्ट्स, डिविडेंड वाले म्यूचुअल फंड्स और इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट प्लान। सही निवेश से वे अपनी यात्रा, वेलनेस या सामाजिक कार्यों जैसे व्यक्तिगत लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। जरूरी है कि अल्पकालिक जरूरतों (जैसे यात्रा) के लिए तरलता और दीर्घकालिक निवेश के बीच संतुलन बना रहे। इसके लिए ग्रोथ फंड और फिक्स्ड इनकम योजनाओं का मिश्रण एक बेहतर विकल्प माना जा रहा है।

आज की नई सोच है – "बिना चिंता घूमो"। लेकिन इसके पीछे होती है वर्षों की तैयारी। हेल्थ इंश्योरेंस, ट्रैवल इंश्योरेंस और इमरजेंसी फंड उतने ही जरूरी हैं जितनी टिकट और होटल बुकिंग। एक संतुलित वित्तीय योजना न केवल खर्चों का प्रबंधन करती है, बल्कि अचानक आने वाले आर्थिक संकट से भी बचाती है।

छठ महापर्व पर रेल मंत्रालय ने दी बड़ी सौगात, देहरादून-टनकपुर एक्सप्रेस सप्ताह में तीन दिन चलेगी, जारी हुआ पत्र

(जीएनएस)।

उत्तराखंड को रेल मंत्रालय ने छठ महापर्व पर बड़ी सौगात दी है। देहरादून-टनकपुर एक्सप्रेस अब सप्ताह में तीन दिन चलेगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को स्वीकृति पत्र भेजा है।

देहरादून-टनकपुर एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 15019/15020) की आवृत्ति बढ़ाने के प्रस्ताव को रेल मंत्रालय, भारत सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि देहरादून-टनकपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस को अब सप्ताह में तीन दिन संचालित किए जाने की स्वीकृति दी गई है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह निर्णय उत्तराखंडवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण और जनहितकारी सौगात है। देहरादून से कुमाऊं क्षेत्र के यात्रियों को अब अधिक सुगम और नियमित रेल सेवा उपलब्ध होगी।उन्होंने कहा कि इस निर्णय से कुमाऊं और गढ़वाल के बीच संपर्क और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही आर्थिक और

सामाजिक गतिविधियों में भी तेजी आएगी। मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार उत्तराखंड को विकास की नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए निरंतर सहयोग कर रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का धन्यवाद, जिन्होंने उत्तराखंडवासियों की मांग को स्वीकार करते हुए देहरादून-टनकपुर एक्सप्रेस की आवृत्ति बढ़ाने की स्वीकृति दी है। यह निर्णय सीमांत कुमाऊं क्षेत्र के नागरिकों, विद्यार्थियों, पर्यटकों और व्यवसायियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। राज्य सरकार का प्रयास है कि उत्तराखंड के हर क्षेत्र को बेहतर परिवहन सुविधाओं से जोड़ा जाए – यही विकसित उत्तराखंड की दिशा में हमारा संकल्प है।

मुख्यमंत्री धामी ने कुछ माह पूर्व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर देहरादून-टनकपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस की सेवा आवृत्ति बढ़ाने का अनुरोध किया था। इस पर रेल मंत्रालय ने विचार करते हुए ट्रेन की संचालन अवधि साप्ताहिक से बढ़ाकर त्रि-साप्ताहिक (तीन दिन प्रति सप्ताह) करने का निर्णय लिया है। यह कदम उत्तराखंड के पर्वतीय और सीमांत क्षेत्रों को देश के अन्य भागों से बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा तथा राज्य के पर्यटन और व्यापार को नई गति देगा।

'पहले हम जाएंगे वहां व्यवस्था करेंगे, फिर आप आना', प्रेमानंद महाराज ने किस से किया ये वादा?

(जीएनएस)।

वृंदावन के श्री हित केली कुंज आश्रम में हाल ही में भक्ति और वात्सल्य का एक अत्यंत दुर्लभ और मार्मिक पल देखने को मिला। पूज्य भाई जी महाराज की कृपापात्र कही जाने वाली कमल बहन जी ने आश्रम में संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। दोनों की बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। वायरल हो रहा है।

गिरते स्वास्थ्य के बावजूद, कमल बहन जी की इच्छा थी कि वे प्रेमानंद महाराज के दर्शन करें, और इसी के चलते वह आश्रम पहुंचीं। जब महाराज ने बहन जी का कमजोर होता शरीर देखा, तो उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि 'आपका शरीर तो बहुत कमजोर हो रहा है।' इस पर बहन जी ने अत्यंत भावुकता से उत्तर दिया कि 'अब वो (ईश्वर) बुला रहे हैं।'

'पहले हम जाएंगे और वहां व्यवस्था करेंगे'

इस मार्मिक जवाब पर प्रेमानंद महाराज ने एक अविस्मरणीय वादा किया। उन्होंने बहन जी से कहा कि 'पहले हम जाएंगे और व्यवस्था करेंगे, फिर आप आना। श्री जी (राधा रानी) और उनकी सखियों संग व्यवस्था करेंगे।' बहन जी ने इस पर कहा कि

उनकी इच्छा महाराज के दर्शन करने की थी। इस दौरान महाराज ने उन्हें बरसाना की राधा रानी का लहंगा प्रेम पूर्वक भेंट किया।

इस मिलन का सबसे भावुक पल तब आया जब कमल बहन जी ने पूज्य भाई जी महाराज की चरण रज (चरणों की धूल) प्रेमानंद महाराज को अर्पित की। महाराज ने बिना किसी विलंब के इस पवित्र रज को अपने मुख में ग्रहण किया और अत्यंत श्रद्धा से सिर पर लगाया।

बहन जी ने भी महाराज को रज का टीका लगाया। जब बहन जी ने विनम्रता से कहा कि उनके पास महाराज को देने के लिए कुछ नहीं है, तो प्रेमानंद महाराज ने तुरंत जवाब दिया कि 'इससे बड़ी कोई वस्तु हो सकती है क्या?' इस भेंट के दौरान, दोनों संतों के बीच भागवत चर्चा भी देर तक चली।

कौन हैं कमल बहन जी?

कमल बहन जी को आध्यात्मिक जगत में अत्यंत पूजनीय माना जाता है, क्योंकि वे राधा बाबा और भाई जी महाराज के सबसे निकटस्थ सत्संगियों में से एक थीं। वह विशेष रूप से पूज्य भाई जी (श्री हनुमान प्रसाद पोद्दार), जो गीता प्रेस, गोरखपुर के संस्थापक और कल्याण पत्रिका के संपादक थे, की प्रमुख शिष्या और कृपापात्र थीं। कमल बहन जी को उनकी गहरी भक्ति, त्याग और राधा-कृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम के लिए उच्च स्थान प्राप्त है, और उन्हें भाई जी एवं राधा बाबा की आध्यात्मिक विरासत की जीवित कड़ी माना जाता है।

पटना, बक्सर और सासराम, बिहार के किस जिले के वोटर हैं प्रशांत किशोर?

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर एक नए विवाद में फंस गए हैं। उनका नाम बिहार के साथ-साथ पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में भी पाया गया है। पश्चिम बंगाल में वह कोलकाता के मतदाता हैं, जबकि बिहार में वह सासाराम संसदीय क्षेत्र के भी वोटर हैं।

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम-1950 के अनुसार, एक से अधिक वोटर आईडी रखना गैरकानूनी है। इस खुलासे के बाद प्रशांत किशोर विरोधी पार्टियों के निशाने पर आ गए हैं, और भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने इसे "वोट चोरी" बताया है। यह देखना होगा कि इस मामले में आगे क्या कार्रवाई होती है।

प्रशांत किशोर बिहार में सासाराम संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले करगहर विधानसभा क्षेत्र में मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं। उनका मतदान केंद्र रोहतास जिले के मध्य विद्यालय, कोनार में है। कोनार, प्रशांत किशोर का पैतृक गांव है, जहां से उनका गहरा भावनात्मक जुड़ाव है और वे लगातार अपनी जन सुराज पदयात्रा के माध्यम से बिहार की राजनीति में सक्रिय रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में प्रशांत किशोर कोलकाता पश्चिम लोकसभा क्षेत्र की भवानीपुर विधानसभा से मतदाता हैं।

यहां उनका एपिक नंबर IUI0686683 पाया गया है। उनका सीरियल नंबर 621 है और मतदान केंद्र, आर-1 21बी रानीशंकरी लेन स्थित सेंट हेलेन स्कूल के रूप में दर्ज है। गौरतलब है कि प्रशांत किशोर अतीत में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के राजनीतिक सलाहकार के रूप में पश्चिम बंगाल में काम कर चुके हैं।

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम-1950 की धारा 17 और धारा 18 स्पष्ट रूप से कहती है कि कोई भी व्यक्ति एक से अधिक वोटर आईडी नहीं रख सकता है या एक से अधिक चुनाव क्षेत्रों में मतदाता के रूप में पंजीकृत नहीं हो सकता।

ऐसा करना गैरकानूनी है और इस पर कानूनी कार्रवाई तथा जुमार्ने का भी प्रावधान है। हालांकि, मतदाता फॉर्म 8 भरकर अपना पता बदल सकता है।

2030 तक कितनी लाइनें तैयार होंगी? 5 साल में कैसे बदलेगा मंबईकरों का सफर?

(जीएनएस)।

मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (टटफ्ळ्ळ) शहर और उपनगरों में 300 किलोमीटर से अधिक का एक बड़ा मेट्रो नेटवर्क तैयार कर रही है। अनुमान है कि निमार्णाधीन 374 किलोमीटर मेट्रो कॉरिडोर का अधिकांश हिस्सा 2027 तक आंशिक रूप से चालू हो जाएगा।

आगामी पाँच वर्षों में मुंबई का मेट्रो नेटवर्क कैसा दिखेगा, इस पर एक नजर डालते हैं। वर्तमान में कई मेट्रो लाइनें निमार्णाधीन हैं, जिनमें लाइन 2बी (डीएन नगर-मंडले) शामिल है, जो 23.6 किलोमीटर लंबी है और इसमें 20 स्टेशन हैं। इसके अलावा, लाइन 4 और 4ए (वडाला-गैमुख) भी निमार्णाधीन है, जिसकी कुल लंबाई 32.3 किलोमीटर है और इसमें 2.9 किलोमीटर का विस्तार भी शामिल है।

लाइन 5 (ठाणे-भिवंडी-कल्याण) 24.9 किलोमीटर लंबी है, जबकि लाइन 6 (स्वामी समर्थ नगर-विक्रोली) 15.3 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। इनके साथ ही, लाइन 7ए, लाइन 9, लाइन 12 जैसी छोटी और कनेक्टिंग लाइनें भी विकास के विभिन्न चरणों में हैं।

2030 तक, एक बहुत व्यापक नेटवर्क उपनगरीय क्षेत्रों (उत्तर, पूर्व, पश्चिम) में दूर तक पहुंचेगा और पहले से परिधीय क्षेत्रों को भी जोड़ेगा। इससे मेट्रो, उपनगरीय रेल, बसों और अन्य परिवहन साधनों के बीच कनेक्टिविटी में काफी सुधार होगा।

लाइन 2बी (डीएन नगर-मंडले) का मुख्य खंड 2025-26 तक पूरा होने की उम्मीद है और 2030 तक यह पूरी तरह से चालू हो जाएगी। लाइन 4/4ए (वडाला-गैमुख) का पहला चरण 2025 और उसके बाद के चरण 2026 तक पूरा होने का लक्ष्य है, जबकि 2030 तक यह पूरा कॉरिडोर चालू हो जाएगा।

लाइन 5 (ठाणे-भिवंडी-कल्याण) पर काम चल रहा है और कुछ हिस्से 2025-26 तक खुल सकते हैं। लाइन 6 (स्वामी समर्थ नगर-विक्रोली) का पहला खंड 2026 के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है और 2030 तक यह पूरी तरह से कार्यशील हो जाएगी।

लाइन 9 (दहिसर ई-मीरा भायंदर) एक एलिवेटेड कॉरिडोर है, जिसका चरणबद्ध उद्घाटन 2025/26 में अपेक्षित है। लाइन 12, लाइन 10, लाइन 14 जैसे प्रस्तावित और लंबी अवधि के कॉरिडोर 2030 तक आंशिक रूप से खुल सकते हैं, लेकिन इनकी पूर्णता में थोड़ा और समय लगेगा।

इन विस्तारों का यात्रियों के लिए गहरा महत्व है। इससे उपनगरों और व्यावसायिक/हवाई अड्डे के केंद्रों तक यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा। ठाणे, भिवंडी, कल्याण, मीरा-भायंदर जैसे क्षेत्रों को केवल उपनगरीय ट्रेनों या सड़कों के बजाय मेट्रो की सुविधा मिलेगी।

प्रमुख कॉरिडोर पर सड़क परिवहन पर निर्भरता भी कम होगी, जहां समानांतर मेट्रो लाइनें उपलब्ध होंगी। यात्री मेट्रो लाइनों, उपनगरीय रेल और बसों के बीच आसानी से स्विच कर पाएंगे। टटफ्ळ्ळ का अनुमान है कि 2031 तक नेटवर्क के पूरी तरह से चालू होने पर प्रतिदिन 60 लाख (6 मिलियन) यात्री मेट्रो का उपयोग करेंगे।

चंदौली सड़क हादसे में 3 की मौत, छठ घाट जाते समय ऐसे हुई घटना

(जीएनएस)।उत्तर प्रदेश के चंदौली से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मंगलवार सुबह अनियंत्रित ट्रक ने एक ही परिवार के 3 लोगों को रौंद दिया। इसमें मौके पर ही 3 लोगों की मौत से चारों तरफ चीख पुकार मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस हादसे के बाद क्षेत्र में मातम है।

जानकारी के मुताबिक, जानकारी के अनुसार, चंदौली जिले के अलीनगर थाना क्षेत्र के रेवसा गांव की रहने वाली चांदनी देवी अपनी सास कुमारी देवी और 7 साल के बेटी के साथ घर से कुछ दूरी पर ही बने छठ घाट पर पूजा करने के लिए जा रहे थे। सड़क पार करने के दौरान अनियंत्रित ट्रक ने इन

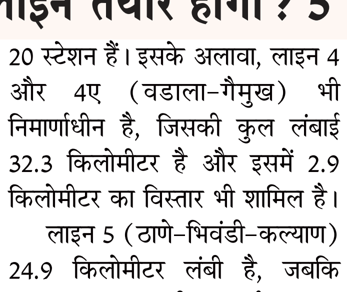

तीनों को रौंद दिया जिससे मौके पर ही इनकी मौत हो गई। मृतकों के पड़ोसी अनिल वर्मा बताते हैं कि भोर में इन तीनों को देखा था। दादी, पोती और उसकी मां तीनों पूजा के लिए जा रहे थे। वो इस हादसे का शिकार हो जाएंगे यह सोच कर ही रूह कांप जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि जैसे ही इस हादसे की खबर मिली, पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सीसीटीवी कैमरे की मदद से ट्रक चालक का पता लगाया जा रहा है। इधर, हादसे के बाद गुस्साई भीड़ ने हाईवे पर पत्थर और पेड़ की टहनियां रखकर जाम लगा दिया और हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे ड्राइवर की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद सीओ मौके पर पहुंचे और परिजनों को आश्वासन दिया कि आरोपी चालक को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। आश्वासन के बाद परिजनों ने जाम हटा दिया।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

ट्रंप का विश्व सम्राट बनने का सपना

ट्रंप के अहंकार से विश्वयुद्ध की प्रबल होती संभावनाएं, कठपुतलियों का उपयोग वर्तमान में ट्रंप के द्वारा किया जा रहा है। अनेक मोर्चो पर चारों खाने चित्त होने के बाद भी ट्रंप का विश्व सम्राट बनने का सपना निरंतर शीषरेन्मुखी होकर खतरनाक अहंकार में परिर्वतित हो रहा है यदि समय रहते इसका उपचार नहीं किया गया तो उसे विश्वयुद्ध में परिर्वतित होते देर नहीं लगेगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वर्तमान कार्यकाल समूची दुनिया में आलोचना का केन्द्र बनता जा रहा है। दबाव की नीतियों को अपनाने, अमेरिका को रातों रात सोने की लंका बनाने तथा सबसे शत्तिशाली देश के रूप में स्थापित करके दुनिया पर चौधरीगिरी करने की मृगमारीचिका के पीछे दौड़ना अब उन्हीं के लिए घातक होता जा रहा है। डीप स्टेट, सीआईए तथा विश्वव्यापी मीरजाफरों के गिरोहों की दम पर संसार का सरदार बनने की चाह रखने वाले डोनाल्ड ट्रंप कभी शान्ति का नोबल पुरस्कार के लिए लालायित होते हैं तो कभी पडोसियों को लडाकर युद्ध विराम का श्रेय लेने की एकतरफा कोशिश में जुट जाते हैं। कभी मनगढन्त बातें पैलाकर स्वयं को सबसे परामी दिखाते हैं तो कभी अन्य देशों में अशान्ति पैलाकर तख्तापटल करने का षडयंत्र रचते हैं। वुटिल चालों में स्वयं को माहिर मानने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति कभी पुतिन से मिलकर रूस - यूव्रेन युद्ध विराम की संभावनायें जताते हैं तो कभी हमास के साथ इजरायल के समझौतों की बात पर अपनी पीठ स्वयं थपथपाते नजर आते हैं। भारत, चीन और रूस को अपना सबसे बडा प्रतिद्वन्दी मानकर स्वयं की जीत का डंका बजाने के लिए टैरिफ का सहारा लेकर प्रत्यक्ष में शीत युद्ध छेडने का बाद भी उनके हाथों में ढाक के तीन पात ही आये हैं। आत्मसम्मान, स्वाभिमान और स्वाधीनता के तले कोई भी सबल नेतृत्व वाला देश ट्रंप की चालों में पंसने के लिए तैयार नहीं है। गरीब, कपटी और षडयंत्रकारी देशों पर आसानी से हुवूमत चलाने की स्थिति र्निमित हो जाने से ट्रंप के मंसूबे अब आसमान पर थूकने के बनने लगे हैं। चाटुकारों से घिरे अतिमहात्वाकांक्षी व्यत्ति की परिभाषा पर खरे उतरने के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति अपने देश के लिए स्वयं खाई खोदने में जुट गये हैं जिसका उनके देश में भी खासा विरोध हो रहा है। वहीं दूसरी ओर ज्यादातर शान्तिप्रिय देशों ने उनसे दूरियां बनाना शुरू कर दीं हैं। निरंतर हो रही अन्तर्राष्ट्रीय उपेक्षा के कारण ट्रंप मानसिक अवसाद की चरम सीमा पर पहुंचते जा रहे है। समूची दुनिया में अमेरिका को मानवता विरोधी, आतंक के संरक्षक और स्वाथा के रूप में परिभाषित किया जाने लगा है। विगत 24 सितंबर 2025 को बैरियो, 18 सितंबर 2025 को हरकत अल - नुजाबा, 18 सितंबर 2025 को कताइब सैय्यद अल-शुहादा, 18 सितंबर 2025 को हरकत अंसार अल्लाह अल - औफिया को, 18 सितंबर 2025 को कताइब अल - इमाम अली, 5 सितंबर 2025 को लॉस चोनेरोस, 5 सितंबर 202 को लॉस लोबोस, 12 अगस्त 2025 को बलूचिस्तान लिबरेशन आमा, 5 मई 2025 को विव अंसनम, 5 मई 2025 को ग्रैन ग्रिफ , 5 मार्च 2025 को अंसारल्लाह, 20 फरवरी 2025 को कार्टेल डी सिनालोआ, 20 फरवरी 2025 को कार्टेल डी जलिस्को नुएवा जेनरेशन, 20 फरवरी 2025 को कार्टेल डेल नोरेस्टे, 20 फरवरी 2025 को ला नुएवा फमिलिया मिचोआकाना, 20 फरवरी 2025 को कार्टेल डेल गोल्फो, 20 फरवरी 2025 को कार्टेल्स यूनिडोस, 20 फरवरी 2025 को ट्रेन डे अरागुआ, 20 फरवरी 2025 को मारा साल्वाट्रुचा, 1 दिसंबर 2021 को सेगुंडा माव्रेटालिया, 1 दिसंबर 2021 को कोलंबिया की पीपुल्स आमा, 11 मार्च 2021 को आईएसआईएस - डीआरसी, 11 मार्च 2021 को आईएसआईएस - मोजाम्बिक, 14 जनवरी 2021 को हरकत सवाद मिरत्र, 10 जनवरी 2020 को असैब अहल अल-हक, 2 जुलाई 2019 को जैश अल-अदल, 15 अप्रैल 2019 को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स, 22 मार्च 2019 को अल-हयात मीडिया सेंटर और अमाक न्यूज एजेंसी, 6 सितंबर 2018 को जमात नुसरत अल-इस्लाम वलमुस्लिमीन, 11 जुलाई 2018 को अल - अश्तर ब्रिगेड, 23 मई 2018 को ग्रेटर सहारा में आईएसआईएस, 28 फरवरी 2018 को आईएसआईएस - पमि अप्रीका, 28 फरवरी 2018 को आईएसआईएस - फिलीपींस, 28 फरवरी 2018 को आईएसआईएस - बांग्लादेश, 17 अगस्त 2017 को हिज्बुल मुजाहिदीन, 2 नवम्बर 2017 को मारवान हदीद ब्रिगेड्स, 1 जुलाई 2016 को भारतीय उपमहाद्वीप में अल - कायदा, 20 मई 2016 को आईएसआईएस - लीबिया, 14 जनवरी 2016 को इस्लामिक स्टेट का खुरासान प्रांत, 30 सितंबर 2015 को जैश रिजाल अल-तारिक अलनक्शबंदी, 30 सितम्बर 2015 को आईएसआईएल सिनाई प्रांत, 10 अप्रैल 2014 को आईएसआईएस - सिनाई प्रांत जिसे पूर्व में अंसार बेत अल-मकदीस कहा जाता था, 13 जनवरी 2014 को बेनगाज़ी में अंसार अल-शरिया, 13 जनवरी 2014 को दरनाह में अंसार अल-शरिया, 13 जनवरी 2014 को टूनीशिया में अंसार अल- शरिया, 19 दिसंबर 2013 को अल - मुलाथमुन बटालियन उर्प अल-मुराबिटौन, 14 नवंबर 2013 को अंसारू, 14 नवंबर 2013 को बोको हराम, 22 मार्च 2013 को अंसार अल-दीन, 5 अक्टूबर 2012 को अंसार अल- शरिया, 19 सितंबर 2012 को हक्कानी नेटवर्व, 30 मई 2012 को अब्दुल्ला अज़्ज़ाम ब्रिगेड्स, 13 मार्च 2012 को जेमाह अंशोरुत तौहीद, 19 सितंबर 2011 को इंडियन मुजाहिदीन, 23 मई 2011 को इस्लाम की सेना, 4 नवंबर 2010 को जैश अल- अदल, 1 सितंबर 2010 को तहरीक - ए तालिबान पाकिस्तान, 6 अगस्त 2010 को हरकत उल - जिहाद - ए ट्ठ्ठाह्द्ध, 19 जनवरी 2010 को अरब प्रायद्वीप में अलका यदा, 2 जुलाई, 2009 को कताइब हिज़्बुल्लाह, 18 मई 2009 को व्रांतिकारी संघर्ष, 18 मार्च 2008 को अल - शबाब - अल-हिजरा, 5 मार्च, 2008 को हरकत उल - जिहाद - ए बांग्लादेश, 17 जून 2005 को इस्लामिक जिहाद यूनियन, 17 दिसंबर 2004 को आईएसआईएस तथा इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक, 13 जुलाई 2004 को निरंतरता आयरिश रिपब्लिकन आमा, 22 मार्च 2004 को अंसार अल-इस्लाम, 30 जनवरी 2003 को लश्कर ए झांगवी, 23 अक्टूबर 2002 को जेमाह इस्लामिया, 9 अगस्त 2002 को फिलीपींस की कम्युनिस्ट पाटा तथा न्यू पीपुल्स आमा, 27 मार्च 2002 को इस्लामिक मगरेब में अलका यदा, 27 मार्च 2002 को अस्बत अल-अंसार, 27 मार्च 2002 को अल-अक्सा शहीद ब्रिगेड, 26 दिसंबर 2001 को लश्कर-ए-तैयबा, 26 दिसंबर 2001 को जैश-ए-मोहम्मद, 16 मई 2001 को न्यू आयरिश रिपब्लिकन आमा, 25 सितंबर 2000 को इस्लामिक मूवमेंट ऑफ उज़्बेकिस्तान, 8 अक्टूबर को 1999 को अल-कायदा, 8 अक्टूबर 1997 को अबू सय्याफ ग्रुप, 8 अक्टूबर 1997 को हमास, 8 अक्टूबर 1997 को हरकत उल-मुजाहिदीन, 8 अक्टूबर 1997 को हिज़्बुल्लाह, 8 अक्टूबर 1997 को वरुदिस्तान वर्वर्स पाटा, 8 अक्टूबर 1997 को लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम, 8 अक्टूबर 1997 को राष्ट्रीय मुत्ति सेना, 8 अक्टूबर 1997 को फिलिस्तीन मुत्ति मोर्चा, 8 अक्टूबर 1997 को फिलिस्तीन इस्लामिक जिहाद, 8 अक्टूबर 1997 को फिलिस्तीन मुत्ति के लिए लोकप्रिय मोर्चा, 8 अक्टूबर, 1997 को पीएफएलपीजनरल कमांड, 8 अक्टूबर 1997 को ांतिकारी पीपुल्स लिबरेशन पाटा, 8 अक्टूबर 1997 को शाइनिग पाथ सहित अल मुहम्मदिया छात्र, तहरीक-एतहापुज किबला अव्वल, तहरीक-ए-हुरमत-ए-रसूल, अल-अनफाल ट्रस्ट, तहरीक-एआजादी- ए-कश्मीर और मिल्ली मुस्लिम लीग, प्रतिरोध मोर्चा, अंसार उल-उम्मा और आईआरए जैसे संगठनों को अमेरिका ने अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवादी गिरोहों के रूप में घोषित किया था जबकि तत्कालीन समय में अनेक खूंखार आतंकी गिरोहों को क्लीन चिट देकर स्वयं की कठपुतली बना लिया था। इन्हीं कठपुतलियों का उपयोग वर्तमान में ट्रंप के द्वारा किया जा रहा है। अनेक मोर्चो पर चारों खाने चित्त होने के बाद भी ट्रंप का विश्व सम्राट बनने का सपना निरंतर शीषरेन्मुखी होकर खतरनाक अहंकार में परिर्वतित हो रहा है यदि समय रहते इसका उपचार नहीं किया गया तो उसे विश्वयुद्ध में परिर्वतित होते देर नहीं लगेगी।

आरजेडी ने 27 नेताओं को पार्टी से निकाला, क्या टूटने लगा है लालू यादव का संगठनात्मक नियंत्रण?

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, राज्य की सियासत में हलचलें तेज होती जा रही हैं। सत्ता की कुर्सी तक पहुंचने की इस जंग में अब अनुशासन, निष्ठा और संगठनात्मक नियंत्रण सबसे बड़ा हथियार बन गया है।

ताजा उदाहरण है राजद का बड़ा एक्शन, जिसमें पार्टी ने एक ही झटके में 27 नेताओं को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया।

कब और क्यों उठाया गया यह कदम?

यह कदम उस वक्त उठाया गया जब कई नेता या तो बागी तेवर में थे, या फिर अपने ही उम्मीदवारों के खिलाफ मैदान में उतर चुके थे। पार्टी की दलील साफ है कि अनुशासनहीनता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लेकिन बड़ा सवाल यह भी है कि इतने बड़े पैमाने पर असंतोष आखिर पैदा क्यों हुआ?

टिकट बंटवारे से उठा असंतोष

दरअसल, टिकट बंटवारे से लेकर क्षेत्रीय समीकरणों तक, हर दल के भीतर असंतुलन की आवाज उठ रही है। जेडीयू और बीजेपी पहले ही बागी नेताओं पर कार्रवाई कर चुके हैं, और अब राजद ने भी वही रास्ता अख्तियार किया है। इसका राजनीतिक संदेश साफ है कि 2025 का चुनाव 'डिसिप्लिन बनाम डिसिडेंट्स' (अनुशासन बनाम बागियों) का भी चुनाव बनता जा रहा है।

राजद के दिग्गज भी बने बगावत का शिकार

परसा के सिटिंग विधायक छोटे लाल राय, पूर्व विधायक रितू जायसवाल, राम प्रकाश महतो, अनिल सहनी, सरोज यादव जैसे नामों का निष्कासन बताता है कि पार्टी भीतर से किस तनाव से गुजर रही है। ये सभी नेता कभी राजद के जनाधार का हिस्सा रहे हैं, जिनकी नाराजगी अब विपक्ष के लिए अवसर बन सकती है।

बागियों की नई पनाहगाह - छोटे दल और निर्दलीय मोर्चा

बिहार की राजनीति में यह पहला मौका नहीं जब चुनाव से ठीक पहले बड़े पैमाने पर निष्कासन हुए हों। लेकिन इस बार का परिदृश्य अलग है, कई बागी नेता या तो निर्दलीय मैदान में हैं, या VIP, लोजपा (रामविलास) और अन्य छोटे दलों के साथ नई राजनीतिक दिशा तलाश रहे हैं। ऐसे में 'बागियों की लहर' कई सीटों पर समीकरण बदल सकती है।

सख्ती का संदेश और संगठन के भीतर की चुनौती

राजद के इस कदम से एक संदेश तो जरूर गया है कि पार्टी अनुशासन के सवाल पर सख्त है, लेकिन साथ ही यह भी उजागर हुआ है कि भीतर का असंतोष गहराता जा रहा है। अगर लालू यादव की पार्टी इस असंतोष को समय रहते शांत नहीं कर सकी, तो चुनावी नुकसान से बच पाना कठिन होगा।

राजद से निष्कासित 27 नेताओं की सूची

प्रमुख नाम

छोटे लाल राय- विधायक, परसा (सारण)

रितू जायसवाल- पूर्व विधायक, परिहार (सीतामढ़ी)

राम प्रकाश महतो- पूर्व विधायक, कटिहार

अनिल सहनी- पूर्व विधायक, मुजफ्फरपुर

सरोज यादव- पूर्व विधायक, बड़हरा (भोजपुर)

गणेश भारती- पूर्व विधान पार्षद, मुजफ्फरपुर

मो. कामरान- विधायक, गोविंदपुर (नवादा)

अनिल यादव- पूर्व विधायक, नरपतगंज (अररिया)

अक्षय लाल यादव- पूर्व प्रत्याशी, चिरैया (पूर्वी चंपारण)

राम रखा महतो- जिला प्रधान महासचिव, चेरिया बरियारपुर (बेगूसराय)

संगठनात्मक और जिला पदाधिकारी

अवनिश कुमार- राज्य परिषद सदस्य, भागलपुर

भगत यादव- शेरघाटी (गया)

मुकेश यादव- संदेश (भोजपुर)

संजय राय- जिला प्रधान महासचिव, वैशाली

कुमार गौरव- अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष, दरभंगा

राजीव कुशवाहा- जिला महासचिव, दरभंगा

महेश प्रसाद गुप्ता- जाले (दरभंगा)

वकील प्रसाद यादव- जाले (दरभंगा)

पूनम देवी गुप्ता- मोतिहारी (पूर्वी चंपारण)

सुबोध यादव- किसान प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष, मोतिहारी

जिला और प्रखंड स्तर के नेता

सुरेन्द्र प्रसाद यादव- प्रदेश महासचिव, सेनपुर (सारण)

नीरज राय- जगदीशपुर (भोजपुर)

अनिल चन्द्र कुशवाहा- प्रदेश महासचिव, वैशाली

अजीत यादव- जिला प्रवक्ता, भागलपुर

मोती यादव- भागलपुर

रामनरेश पासवान- चिरैया प्रखंड अध्यक्ष, पूर्वी चंपारण

अशोक चौहान- पताही प्रखंड अध्यक्ष, पूर्वी चंपारण

संगठन बनाम स्वार्थ की जंग

बिहार की राजनीति इस वक्त "संगठन बनाम स्वार्थ" के दो छोरों पर खड़ी है। जो दल अनुशासन बचा पाएंगे, वही शायद सत्ता तक पहुंच पाएंगे। लेकिन जनता का मूड अब केवल वफादारी नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और विकास के आधार पर तय होगा और यही असली परीक्षा होगी 14 नवंबर को, जब नतीजे सामने आएंगे।

चिराग पासवान के साथ छठ पर वायरल हुई ये 'मिस्ट्री गर्ल' कौन? सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

(जीएनएस)।

आस्था का महापर्व छठ देशभर में धूमधाम से मनाया गया और दिल्ली से लेकर बिहार तक घाटों पर खूब रौनक दिखी। इस दौरान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी अपने परिवार के साथ भक्ति के रस में डूबे नजर आए। धोती-कुर्ता और पगड़ी में उनका पारंपरिक लुक सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ।

चिराग ने छठ पर्व की महत्ता भी बताई, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा एक लड़की के साथ उनकी वायरल तस्वीर और रील की हो रही है, जिसे लोग खूब शेयर कर रहे हैं और मजेदार कमेंट भी कर रहे हैं। इस रिपोर्ट में हम जानेंगे कि आखिर यह 'मिस्ट्री गर्ल' कौन है।

चिराग पासवान का पारंपरिक लुक हुआ वायरल

केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान भी अपने परिवार के साथ छठ महापर्व मनाते हुए नजर आए। उन्होंने पूरी भक्ति और उत्साह के साथ इस पर्व में भाग लिया। इस दौरान चिराग पासवान का पारंपरिक धोती-कुर्ता और पगड़ी वाला लुक सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। तस्वीरों में वह बेहद सुंदर और पारम्परिक 'बिहारी बाबू' लग रहे थे। खुद चिराग ने छठ पर्व की महत्ता बताते हुए कहा कि यह हर बिहारी पूरे उत्साह के साथ, पूरे परिवार के साथ मिलकर मनाता है। उनकी कई तस्वीरें और रील्स सोशल मीडिया पर खूब

शेयर की गईं, जिनमें उनकी सादगी और भक्ति भाव स्पष्ट झलक रहा था।

'मिस्ट्री गर्ल' के साथ तस्वीर ने मचाया हंगामा

जहां एक ओर चिराग पासवान का पारंपरिक परिधान लोगों को खूब पसंद आया, वहीं सोशल मीडिया पर एक तस्वीर और रील ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा। इस रील में चिराग एक युवा लड़की के साथ दिखाई दे रहे हैं, और यह तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है। लोग इस पर तरह-तरह के मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं और इसे खूब शेयर भी कर रहे हैं। कई लोगों ने यह जानने की उत्सुकता भी जताई है कि आखिर यह लड़की कौन है।

कौन है चिराग पासवान के साथ वायरल हुई वो लड़की?

रिपोर्ट्स के अनुसार, चिराग पासवान के साथ छठ महापर्व पर वायरल हुई वह लड़की उनकी भांजी जूही राज पासवान (ख४ँ फ्रंढर६ल्ल) हैं। जूही, चिराग पासवान की बहन की बेटी हैं और वे अक्सर अपने मामा चिराग पासवान के साथ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। चिराग खुद जूही की शादी में पूरे परिवार के साथ शामिल हुए थे। छठ महापर्व के दौरान जूही ने जो रील चिराग के साथ शेयर की थी, उसमें उन्होंने मजेदार कैप्शन लिखा था: "अपने एंजल (मामा) से अपनी ससुराल की कंम्लेन करते हुए।" इस कैप्शन और वीडियो ने लोगों का खूब ध्यान खींचा, जिससे यह रील और भी तेजी से वायरल हो गई। यह घटना दर्शाती है कि त्योहारों के मौके पर कैसे पारिवारिक तस्वीरें भी जनता के बीच चर्चा का विषय बन जाती हैं।

भारत को मिला एक और खूंखार गेंदबाज, 10 विकेट लेकर खटखटाया टीम इंडिया का दरवाजा

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी के बाद नए गेंदबाज भी आ रहे हैं, जो अपनी रफ्तार से प्रभाव छोड़ रहे हैं। जम्मू-कश्मीर से उमरान मलिक आए थे और उसके बाद फिर से घाटी के गेंदबाज आगे आ रहे हैं। इस कड़ी में नया नाम अकील नबी का है, जिन्होंने सलेक्टर्स का ध्यान निश्चित तौर पर अपनी तरफ खींचा होगा।

रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में राजस्थान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में अकीब नबी ने ऐसा प्रदर्शन किया जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। उन्होंने सिर्फ 24 रन देकर 7 विकेट चटका डाले, पहली पारी के 3 विकेटों सहित कुल 10 विकेट अपने नाम किये। उनके इस शानदार स्पेल में 11 ओवर में 3 मेडन

भी शामिल रहे। गेंदबाजी के साथ-साथ उन्होंने बल्ले से भी कमाल दिखाया और पहली पारी में 55 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली।

लगातार 4 गेंदों में झटके विकेट

अकीब नबी का नाम इससे पहले भी सुर्खियों में रह चुका है। दलीप ट्रॉफी में उन्होंने एक ओवर में लगातार 4 गेंदों पर 4 विकेट लेकर इतिहास रचा था। ऐसा करने वाले वह पहले भारतीय गेंदबाज बने थे।

रणजी ट्रॉफी में भी किया कमाल

राजस्थान के खिलाफ मैच में अकीब ने विपक्षी बल्लेबाजों को शुरूआत से ही बैकफुट पर धकेल दिया। पहली पारी में उन्होंने 3 विकेट झटके, लेकिन दूसरी पारी में उनका प्रदर्शन और भी घातक रहा। महज 6 ओवर में 5 रन देकर 5 विकेट ले डाले। राजस्थान की पूरी टीम सिर्फ 89 रन पर ढेर हो गई। जम्मू-कश्मीर ने यह मैच पारी और 41 रन से अपने नाम किया।

कैसा रहा है अब तक का रिकॉर्ड

2025-26 के सीजन में यह अकीब का तीसरा 5 विकेट हॉल था। 2024 रणजी सीजन के बाद से अब तक खेले गए 12 मैचों में उन्होंने 68 विकेट अपने नाम किए हैं। इनमें 8 बार 5 विकेट लेने का कारनामा शामिल है। उनके इस निरंतर प्रदर्शन ने उन्हें भारत के सबसे भरोसेमंद डोमेस्टिक गेंदबाजों में शामिल कर दिया है। अपने धाकड़ प्रदर्शन से वह सलेक्टर्स के लिए भी सिरदर्द बढ़ा रहे हैं।

अकीब के पिता एक स्कूल टीचर हैं और वह जम्मू-कश्मीर के बारामूला से आते हैं। पढ़ाई में भी वह अच्छे थे और बाद में पैरेंट्स ने क्रिकेट में उनका समर्थन किया। खेल में भी अच्छा करते हुए वह रणजी ट्रॉफी तक पहुंच गए। वह दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज डेल स्टेन को देखकर बड़े हुए हैं और उनके वीडियो देखकर गेंदबाजी सीखी।

चयन समिति के सामने नई समस्या

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए टीम इंडिया की घोषणा होगी लेकिन वहां तो अकीब को जगह मिलती नहीं दिख रही है। मोहम्मद शमी जैसे दिग्गज को भी वापसी का इंतजार है लेकिन सलेक्टर्स के सामने अकीब के रूप में एक नई समस्या जरूर खड़ी हुई है।

'नफरत फैलाने वालों के मुंह पर तमाचा', अजान के चलते सिंगर ने रोका प्रोग्राम

(जीएनएस)।

मशहूर प्लेबैक सिंगर सोनू निगम एक बार फिर से लोगों के बीच में चर्चा का विषय बने हुए हैं, वजह है उनका हालिया कार्यक्रम, जो कि श्रीनगर में बीते शनिवार को था, अब चूंकि सोनू के कुछ पुराने विवाद हमेशा लोगों के बीच चर्चा में रहते हैं इसलिए इस प्रोग्राम को कट्टरपंथियों की ओर से बहिष्कृत किया गया था, जिसके चलते सोनू के इस कार्यक्रम में बहुत कम लोग जुटे थे।

लेकिन इस बार सोनू ने स्टेज पर जो किया, उसके चलते उन्हें इस बार तालियां मिली हैं ना कि गालियां और यही नहीं इस वजह से उनका आठ साल पुराना विवाद फिर से लोगों के जेहन में जिंदा हो गया है और लोग उस पर टिप्पणी भी कर रहे हैं।

दरअसल कॉन्सर्ट के दौरान सोनू ने अपना कार्यक्रम बीच में ही रोक दिया क्योंकि उस वक्त आस-पास कहीं अजान हो रही थी। उन्होंने कहा कि ' प्लीज मुझे 2 मिनट दीजिए, अजान का वक्त हो रहा है, मैं वापस आता हूं।'

सोशल मीडिया पर छाए

दर्शकों ने उनके इस भाव की सराहना की और जमकर तालियां बजाईं। अजान के तुंरद बाद सोनू ने अपना प्रदर्शन जारी रखा और उपस्थित लोगों को खूब मनोरंजित

किया। ये वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है, जिस पर लोग काफी कमेंट कर रहे हैं।

'भारत में यह जबरदस्ती की धार्मिकता कब खत्म होगी'

आपको बता दें कि आठ साल पहले सोनू ने अजान के लाउडस्पीकर पर एक ट्वीट किया था, जिसमें उन्होंने लिखा था कि 'भारत में यह जबरदस्ती की धार्मिकता कब खत्म होगी? गुंडागर्दी है बस।' जिस पर बहुत बवाल मचा था। कुछ कट्टरपंथियों ने तो सोनू का सिर काटने की और सिर मुड़वाने तक की बात कह दी थी, ये विवाद काफी दिनों तक सोनू का पीछा करता रहा था।

यह कॉन्सर्ट जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर में डल झील के पास एसके इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (एसकेआईसीसी) में आयोजित किया गया था। डेक्कन हेराल्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, बहिष्कार के आह्वान ने इस कार्यक्रम को प्रभावित किया। बताया गया है कि शो के दौरान कई सीटें खाली थीं।

'ये नफरत फैलाने वालों के मुंह पर तमाचा है'

फिलहाल सोनू निगम सोशल मीडिया पर इस वक्त हॉट टॉपिक बने हुए हैं। एक यूजर ने लिखा है कि 'आप का जवाब नहीं सोनू भैया।' तो एक ने लिखा 'अब शायद लोगों को समझ में आया होगा कि सोनू अजान नहीं लाउडस्पीकर के शोर के खिलाफ था', तो एक ने लिखा कि 'ये नफरत फैलाने वालों के मुंह पर तमाचा है, सोनू निगम तूसी ग्रेट हो।'

छोटी उम्र में मेकअप आपकी बच्ची को नुकसान पहुंचा सकता है: शहनाज हुसैन

कहावत है कि बेटियां कब बड़ी हो जाती हैं, पता ही नहीं चलता/ मगर आजकल यह कहावत कुछ ज्यादा ही पहले चरितार्थ होने लगी है।

कभी मां की देखादेखी तो कभी बस शौक के चलते बच्चियों में मेकअप का रुझान तेजी से बढ़ रहा है।

ज्यादातर घरों में बच्चे जब अपने घर की महिलाओं , मम्मी, दीदी, मौसी, बुआ और चाची को मेकअप करते देखते हैं जो वह भी मेकअप करने की जिद करने लगते हैं जिससे अधिकतर पेरेंट्स बिना ना.नुकुर किए अपने बच्चों का मेकअप करने लग जाते हैं और कुछ मामलों में उन्हें मेकअप के लिए प्रोत्साहित भी करते हैं /

कम उम्र में ही इन बच्चियों का ध्यान रचनात्मक अभिव्यक्ति से हटकर शारीरिक दिखावे पर केंद्रित होने लगता है।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे ट्विटर ,इंस्टाग्रामए फेसबुक आदि पर युवा इन्फ्लुएंसर के रूप में मेकअप को प्रमोट करती बच्चियों के फालोअर्स की लंबी फेहरिस्त सामान्य बच्चियों को भी इस ओर आकर्षित करती है।

मेकअप असल में कम उम्र में ही बच्चियों को शारीरिक और मानसिक तौर पर नुकसान पंहुचा रहा है /

बच्चों की त्वचा बहुत नाजुक होती है और सौन्दर्य प्रसाधनों में मौजूद केमिकल्स की बजह से बच्चियों में हार्मोन संतुलन बिगड़ जाता है /

सौन्दर्य प्रसाधनों में रेटिनॉइड्स ,ग्लाइकोलिक एसिड जैसे तत्व विद्यमान होते हैं जोकि बच्चियों की नाजुक त्वचा के बैरियर को नुकसान करते हैं ,

जिसकी बजह से त्वचा में रूखापन एलर्जी, जलन और कील ,मुहांसों जैसी समस्याएं हो सकती/

बच्चियों की नाजुक त्वचा में जबां महिलाओं की तुलना में कमजोर और पतले स्किन बैरियर्स होते हैं जिसकी बजह से सौन्दर्य प्रसाधनों में बिद्यमान रासायनिक पदार्थ त्वचा के भीतरी हिस्सों तक पहुंच जाते हैं और इससे त्वचा को दीर्घकालीन नुकसान पहुंचता है / कम उम्र में अगर आपकी बच्ची होंठों पर लिपस्टिक लगाती है तो इससे होंठ से पपड़ी निकलना और कालापन दिखना भी शुरू हो सकता है।

कुछ लिपस्टिक सौन्दर्य प्रसाधनों को लचीला बनाने और सुगन्धित रखने के लिए जिन पैराबेन्स, फथैलेट्स और फिनोल पदार्थों का उपयोग किया जाता है उनके नियमित उपयोग से बच्चियों में समय से पूर्व प्यूबर्टी की शुरूआत हो जाती है तथा इनके लम्बे समय से उपयोग से स्तन और ओवेरीअन कैंसर तक का खतरा बढ़ जाता है / कई बार केमिकल युक्त सौन्दर्य प्रसाधनों के उपयोग से त्वचा का प्रकृतिक पी एच और माइक्रोब्स संतुलन बिगड़ जाता है जिससे एक्जिमा का संक्रमण हो सकता है / अगर छोटी बच्चियों में एक्जिमा का संक्रमण हो जाये तो इन सौन्दर्य उत्पादों के सेवन से तत्काल रोक दीजिए और इससे काफी हद तक राहत मिल जाएगी /

पर्सनल केयर उत्पादों में जिस सुगन्धित और प्रिजर्वेटिव उत्पादों का उपयोग किया जाता है बह भी बच्चियों में एलर्जी का मुख्य कारण बन जाती है

सोशल मीडिया के प्रभाव में आ कर बच्चियां सुन्दरता के नए मापदण्डों के अनुरूप ब्यूटी स्टैण्डर्ड तय कर लेती हैं जिन्हें पाना काफी मुश्किल होता है

आदर्श नगर पंचायत जैदपुर के वार्ड वसी नगर में पशुओं का डेरा जिम्मेदारों ने मुंह फेरा

(जीएनएस)।

जैदपुर वार्ड वसी नगर में बीच बस्ती से निकालते है पशुओं को जिससे एक दिन बड़ी दुर्घटना हो सकती है वहीं स्कूली बच्चें अपनी जान जोखिम में डाल कर स्कूल जाते है लोगों का कहना है पचास से अधिक जानवर लेकर निकलते है आपसी लड़ाई के दौरान ये जानवर कई बार वाहनों से टकरा गए है जिससे दो पहिया वाहन चालक चोटिल हो चुके है इस सम्बन्ध में लोगों ने एक बार थाना अध्यक्ष महोदय को अवगत कराया है लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है शायद जिम्मेदार लोग एक बड़ी

दुर्घटना के इंतजार में है

उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा रोजगार सृजन कार्यक्रम का आयोजन

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा रोजगार सृजन हेतु एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन आगामी 31 अक्टूबर को ब्लाक मुख्यालय पर आयोजित किया जायेगा जिसमे बेरोजगार युवाओं को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

उक्त आशय की जानकारी की देते हुए जिला खादी एव ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, बाराबंकी द्वारा खादी एवं ग्रामोद्योग के माध्यम से रोजगार सृजन हेतु संचालित योजनाओं एवं क्रियाकलापों से जनसामान्य को जागरूक करने एवं आत्मनिर्भर बनाने के उददेश्य से विपणन विकास सहायता एससीएसपी योजनान्तर्गत 31 अक्टूबर को एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लाक प्रमुख रईश आलम खण्ड विकास अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव करेंगे उन्होंने बताया कि जागरूकता कार्यक्रम में बेरोजगार व्यक्तियों, आईटीआई पॉलीटेक्निक तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त युवक, युवतियों आदि को विभाग द्वारा संचालित योजनाओं यथा मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, व्यावहारिक प्रशिक्षण व मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना आदि से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी के साथ-साथ आवेदन करने की प्रक्रिया एवं विपणन सम्बन्धी जानकारी प्रदान की जायेगी।

उपभोक्ताओं को बीते कई महीनो से बिजली बिल न मिलने से उपभोक्ता परेशान

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। विद्युत केंद्र त्रिलोकपुर के उपभोक्ताओं को बीते कई महीनो से बिजली बिल न मिलने से उपभोक्ता परेशान हैं। मंगलवार को बरगदिया गांव के दर्जनों ग्रामीणों ने इस समस्या को लेकर गांव मे ही विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों का कहना है कि बीते कई महीनों से उनके बिजली के मीटर की रीडिंग तो ली जा रही है, लेकिन बिल नहीं बनाए जा रहे हैं। इससे उपभोक्ताओं को बिल जमा करने में परेशानी हो रही है।बरगदिया गांव के शैलेंद्र कुमार, रामनरेश, चंटू वर्मा, राम सिंह रावत, सोनू रावत, पवन कुमार, मोनू रावत, विपिन वर्मा और अनिल रावत सहित कई उपभोक्ताओं ने बताया कि पिछले छह माह से उनके गांव में बिल नहीं निकला है। इससे हजारों रुपये का बिल एक साथ आ जाता है, जिसे चुकाना मुश्किल होता है।उपभोक्ताओं ने मांग की है कि प्रत्येक माह नियमित रूप से बिल जारी किए जाएं, ताकि वे समय पर भुगतान कर सकें और एक साथ बड़ी राशि जमा करने का बोझ न पड़े।इस संबंध में सुपरवाइजर अंशु कुमार ने बताया कि यदि किसी उपभोक्ता का बिल तकनीकी दिक्कत के कारण नहीं बन पाया है, तो उसे हर माह बनाया जाएगा। उन्होंने सभी कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रत्येक माह बिल बनाना सुनिश्चित करें, अन्यथा उनके

खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

महिला अध्यक्ष गुड़िया रावत की शिकायत पर जांच करने पहुंची वन विभाग की टीम

(जीएनएस)।

बाराबंकी जिले के मसौली क्षेत्र में अवैध हरे भरे पेड़ों की कटाई पिछले कई महीनो से बागों में चल रही है। आरोप है कि वन विभाग की कथित मिलीभगत के चलते यह अवैध कटान लगातार चल रहा है। जिसको लेकर महिला अध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन भानू गुड़िया रावत द्वारा माननीय मुख्यमंत्री महोदय पोर्टल पर शिकायत किया था शिकायत पर मौके पर जांच करने पहुंचे वन विभाग के क्षेत्राधिकारी धर्मेंद्र कुमार वन दरोगा हरि नाम सतीश मिश्रा अन्य वनकर्मी क्षेत्र में अवैध कटान को लेकर मौके पर जांच करने पहुंचे जिसमें विभिन्न ग्राम पंचायतो में अवैध कटान जिसमें महेश प्रसाद पुत्र मन्नालाल गाटा

संख्या 698 हरे भरे देसी 15 पेड़ों की बाग जो की ज्वेरी स्थित मसौली रातों-रात लकड़कतों द्वारा काटकर गायब कर दिया गया वहीं थाना क्षेत्र मसौली स्थित कपरियन पुरवा मै 15 पेड़ का परमिट 26 पेड़ हरे भरे काटे गए थाना सफदरगंज क्षेत्र रहरा मऊ में हरी भारी बाग को जड़ मूड से खत्म कर दिया बड़ागांव स्थित पकड़ पीपल जैसे सदाबहार पेड़ को काटकर नष्ट कर दिया वहीं देव कालिया थाना क्षेत्र मसौली पप्पू वर्मा शेष पेड़ का परमिशन जारी अवैध कटान मौके पर चल रहा था बड़ागांव बांस संपर्क मार्ग स्थित पेट्रोल पंप के पास बाग में हरे भरे 13 देसी पेड़ों का परमिशन जारी करके अवैध कटान का सिलसिला लगातार क्षेत्र में वन विभाग की गतिविधियां से चल रहा है। जिससे लड़काटो के हौसले बुलंद है पिछले कई महीने से एक भी अवैध कटान को लेकर वन विभाग के द्वारा एक भी लकड काटो पर कार्रवाई नहीं कराई गई जिससे साफ तौर से यह कहां जा सकता है की वन विभाग की मिली भगत से अवैध कटान हो रहे है जिसको लेकर महिला अध्यक्ष गुड़िया रावत ने बताया कि अवैध कटान पर रोक नहीं लगाया गया तो इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से की जाएगी वन विभाग की चुप्पी के कारण ही इस तरह के अवैध कार्य हो रहे हैं। जिसमें कलमी पेड़ कार्य दिन दहाड़े चल रहा है जिससे वन विभाग की मौन स्वीकृति पर सवाल उठ रहे हैं।

पूरनपुर से राजस्थान जा रही मजदूरों की बस हाईटेंशन लाइन की चपेट में: 3 की जलकर मौत, 10 से ज्यादा झुलेसे

(जीएनएस)।

पीलीभीत के पूरनपुर से 75 मजदूरों को लेकर जयपुर के टोडी ईंट भट्ठे जा रही स्लीपर बस मंगलवार सुबह मनोहरपुर इलाके (जयपुर से 50 किमी दूर) में हाईटेंशन लाइन (11 केवी) की चपेट में आ गई। बस की छत पर रखे गैस सिलेंडर, मोटरसाइकिल और सामान तारों को छू गए, जिससे करंट दौड़ गया और बस धूं-धूं कर जलने लगी। सिलेंडर फटने से आग भड़क गई।

शेरपुर कला के नौगांव निवासी नसीम (पिता-पुत्री सहित) और सहीनम की मौके पर जलकर मौत हो गई। तीसरे मृतक की पहचान हो रही है। आधा दर्जन से ज्यादा मजदूर गंभीर रूप से झुलेसे, जिन्हें जयपुर के रटर अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाकी मजदूर बस से कूदकर जान बचाए।

सोमवार शाम पूरनपुर से रवाना हुई बस कच्ची सड़क से गुजर रही

थी। हादसे की खबर मिलते ही शेरपुर और पूरनपुर में कोहराम मच गया झ परिवार बिलख पड़े। मजदूरों के परिजनों ने बताया, सुबह 8 बजे फोन पर बात हुई थी, फिर हादसे की सूचना।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शोक जताया, घायलों के इलाज के आदेश दिए। पूर्व उट अशोक गहलोत ने हादसों पर चिंता जताई। पुलिस जांच कर रही कि बस में सिलेंडर क्यों थे। टोल बचाने के लिए कच्चा रास्ता लिया गया था।

क्या पीलीभीत प्रशासन पीड़ित परिवारों का सहारा बनेगा।

मंगलवार को उदमीयान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ धूमधाम से मनाया छठ पर्व

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। कार्तिकमास में मनाये जाने वाला छठ पर्व मंगलवार को उदमीयान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ धूमधाम से मनाया गया। निर्जला व्रत रखकर ग्राम नईबस्ती धरौली एव बसन्तनगर की सैकड़ों महिलाए गाड़ी नदी पर सूर्य अर्क के लिए पहुंची। तरह तरह के बनाए गए पकवानों एव फलों का अर्ध्य सूर्य देव को दिया गया। इस दौरान हजारो भक्तो की भीड़ घाट पर मौजूद रही।

सूर्य षष्ठी पर्व के अवसर पर होने वाला डाला छठ पर्व मंगलवार को उगते सूर्य की लालिमा देख व्रती महिलाओं द्वारा अर्घ्यदान के साथ धूमधाम से सम्पन्न हो गया। भोर से ही नदी में खड़ी व्रती महिलाओं पर नदी का ठण्डा जल और ठिठुरन भरा मौसम भी बौना साबित हुआ। भगवान भास्कर को अर्घ्यदान के लिए चार दिनों तक चलने वाली इस तपस्या का अंतिम चरण खुशनुमा माहौल में समाप्त

हुआ। व्रत रखने वाली महिलाओं के चेहरे की चमक तपस्या या मनोकामना पूरी होने का संदेश दे रही थी।

सोमवार की शाम अस्तगामी सूर्य को अर्घ्य देकर वापस घर लौटीं महिलाएं पूरी रात पास-पड़ोस की महिलाओं व परिजनों के साथ सुबह अर्घ्य देने के इंतजार में रतजगा करती रही। नींद हावी न हो इसके लिए रात भर महिलाओं के समूह ने छठ गीत गाये।

भोर में स्नान ध्यान के बाद लोगों का हुजुम एक बार पुनः नदी के किनारे जुटा।व्रती महिलाओं के साथ चलने वाले वयस्क व बच्चों के सिर पर पूजा के सामान थे तो साथ जा रही महिलाएं छठ मइया के भजन गीत गा रही थीं। ग्राम नईबस्ती, धरौली, बसन्तनगर,गुरेला की सैकड़ो महिलाओं के हाथों में कलश और उस पर जलते दीपक के साथ घरों से निकलीं व्रती महिलाओं को देखने के बाद लग रहा था मानों रात के अंधेरे में साक्षात देवियां सड़क पर निकल पड़ी हों। इस दौरान गाड़ी नदी में दीपदान अद्भुत छटा बिखेर रही थी। लग रहा था मानों आसमान के तारे जल में उतर आए हों।

सूर्यादय का समय नजदीक आने के साथ ही आसपास गाँवो की भारी भीड़ घाट पर ही जमा हो गया है। जल में पूरब की ओर मुंह करके खड़ी व्रती महिलाओं ने सूर्य की लालिमा दिखने तक तपस्या किया। इस दौरान नदी के घाट पर छठ मइया से जुड़े गीतों से वातावरण गूंजता रहा। अर्घ्यदान के बाद घर पहुंचकर महिलाओं ने घर के चौखट की पूजा की और उसके बाद बेदी पर चढ़ाए गए चने को निगलकर व्रत का पारण किया।

ग्राम प्रधान ने व्रती महिलाओ को वितरित की साड़ियां

उदमीयान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए नईबस्ती पुलिया घाट पर पानी में खड़ी व्रती महिलाओ को ग्राम प्रधान धरौली सुमन राव एव उनके पति उमाकान्त राव ने सभी व्रती महिलाओ को साड़ी वितरित की।

सोशल साइट एक्स ने पाकिस्तान के पीएम को रंगे हाथों पकड़ा, शहबाज शरीफ का 'ब्लैक डे' झूठ बेनकाब, क्या है मामला?

(जीएनएस)।

पाकिस्तान एक बार फिर अपने झूठे प्रचार में पकड़ा गया है। वहां के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 27 अक्टूबर को कश्मीर के इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (X) पर एक भ्रामक पोस्ट डाला।

शरीफ ने भारत पर आरोप लगाते हुए कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बताया और 27 अक्टूबर को 'ब्लैक डे' करार दिया। लेकिन इस झूठ का पदार्फाश खुद एक्स ने किया। प्लेटफॉर्म ने शरीफ के दावे को ऐतिहासिक और कानूनी रूप से भ्रामक बताते हुए कम्युनिटी नोट्स के जरिए सही जानकारी साझा की।

फेक न्यूज फैलाने में पाकिस्तान सबसे आगे

पाकिस्तान लंबे समय से कश्मीर को लेकर झूठे नैरेटिव गढ़ता रहा है। इस बार खुद देश के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 27 अक्टूबर को एक पोस्ट में दावा किया कि भारतीय सेना ने श्रीनगर पर "कब्जा" कर लिया था। उन्होंने इसे मानव इतिहास का दुखद अध्याय बताया। लेकिन एक्स ने उनके पोस्ट पर सटीक फैक्ट-चेक जोड़ते हुए स्पष्ट किया कि भारत ने किसी पर कब्जा नहीं किया, बल्कि पाकिस्तान समर्थित कबायली आक्रमणकारियों से जम्मू-कश्मीर की रक्षा की।

इतिहास गवाह है कि 26 अक्टूबर 1947 को जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने भारत के साथ विलय पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद ही 27 अक्टूबर को भारतीय सेना श्रीनगर पहुंची ताकि पाकिस्तान समर्थित हमलावरों को पीछे धकेला जा सके।

मां बनने के बाद ऐसा हो गया है परिणीति चोपड़ा का हाल, पापा राघव चड्ढा ने बता दी ऐसी बात

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा इन दिनों अपने नन्हे बेटे के साथ पैरेंटहुड का खूबसूरत टाइम इन्जॉय कर रहे हैं। आपको बता दें कि परिणीति चोपड़ा ने गत 19 अक्टूबर 2025 को एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया है।

वायरल हुआ न्यू मॉम परिणीति चोपड़ा का पोस्ट

मां बनने के बाद से परिणीति चोपड़ा की जिंदगी में बड़ा बदलाव आया है और अब वह पूरी तरह से 'मॉम मोड' में नजर आ रही हैं। परिणीति ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक मजेदार पोस्ट शेयर किया है जो फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रहा है।

मां बनने के बाद ऐसा हो गया है परिणीति चोपड़ा का हाल

परिणीति चोपड़ा ने फिल्म अंदाज अपना अपना का एक मीम पोस्ट करते हुए लिखा है- मुझे अब एहसास हो गया है कि मैं पूरी तरह से मां बन चुकी हूं और अब प्रेग्नेंट नहीं रही। एक्ट्रेस ने इसके साथ हंसने वाली इमोजी भी शेयर की है

जिससे उनके फैंस खुश हो गए हैं और इस पोस्ट पर जमकर रिएक्ट कर रहे हैं।

राघव चड्ढा का प्यार भरा बर्थडे पोस्ट

कुछ दिनों पहले परिणीति चोपड़ा के बर्थडे पर राघव चड्ढा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ढेर सारी थ्रोबैक फोटोज शेयर की थीं जिनमें वह परिणीति के बेबी बंप को प्यार से किस करते नजर आ रहे थे। ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। अब परिणीति ने भी इन फोटोज को अपनी इंस्टा स्टोरी पर दोबारा शेयर किया है।

शादी के 2 साल बाद पैरेंट्स बने परिणीति-राघव

-जानकारी के अनुसार परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने साल 2023 में राजस्थान के उदयपुर में रॉयल अंदाज में शादी की थी। शादी के करीब दो साल बाद ये कपल अब पैरेंट्स बना है। -अगस्त 2025 में परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी की खबर शेयर की थी। इससे पहले परिणीति चोपड़ा ने द कपिल शर्मा शो में भी अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर मजाकिया अंदाज में लोगों को हिंट दिया था।

बेबी बॉय की झलक का हो रहा इंतजार

फिलहाल परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा दोनों ही अपने बेटे के साथ क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं। हालांकि अब तक इस कपल ने अपने बेबी बॉय का चेहरा नहीं दिखाया है। सोशल मीडिया पर फैंस बेसब्री से उनके नन्हे राजकुमार की पहली झलक देखने का इंतजार कर रहे हैं।

लोकल ट्रेन से होने वाली मौतों को रोकने के लिए रेलवे प्रशासन ने उठाया बड़ा कदम

(जीएनएस)।

मुंबई में अतिक्रमण की समस्या के कारण रेलवे ट्रैक पर होने वाली मौतों की संख्या चिंताजनक बनी हुई है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले दस वर्षों (2014-2024) में 15,626 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। मुंबई रेल विकास निगम (MRVC) ने इस समस्या से निपटने के लिए MUTP 3 के तहत 551 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है।

MUTP 3 के तहत 98% कार्य पूरा हो चुका है, जिसमें 27 फुटओवर ब्रिज (FOB), 2 FOB एक्सटेंशन, 2 लिंक वे, 1 होम प्लेटफॉर्म, सबवे और नाहूर-मुलुंड के बीच बाड़ लगाने का काम शामिल है। यह कार्य मध्य और पश्चिमी दोनों लाइनों पर किया गया है, लेकिन स्थिति में अभी तक कोई खास सुधार नहीं आया है। अतिक्रमण के मामलों के बढ़ने से लोकल ट्रेनों का शेड्यूल भी प्रभावित हो रहा है।

अधिकारियों के मुताबिक, 2020 में 730 लोगों की मौत हुई, जबकि 2021 से 2024 के बीच प्रति वर्ष 1000 से 1200 लोग ट्रेसपासिंग के

कारण जान गंवा रहे हैं। MRVC का कहना है कि वे अतिक्रमण को नियंत्रित करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं और टवळढ 3 के तहत हुए कार्यों से अतिक्रमण में कमी आई है, लेकिन यह समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। भविष्य में "शून्य मृत्यु" अभियान के तहत अधिक काम किया जाएगा और अगले पाँच वर्षों में स्थिति में सुधार की उम्मीद है।

अतिक्रमण रोकने के लिए MRVC ने अब तक 34 मिड-सेक्शन लोकेशंस पर काम किया है। अब FOB, ROB और स्काईवॉक के बजाय सबवे बनाने पर जोर दिया जा रहा है, क्योंकि लोग आज के समय में FOB का उपयोग करने से बचते हैं। मिड-सेक्शन में जगह की कमी के कारण एस्केलेटर भी नहीं लगाए जा सकते। इसलिए, MRVC अढाई से तीन मीटर के सबवे बनाने की योजना बना रहा है, जिससे लोग आसानी से दूसरे प्लेटफॉर्म पर या दूसरी ओर जा सकें। ये सबवे वॉटरटाइट होंगे, ताकि बारिश में कोई समस्या न हो।

MRVC के एमडी विलास वाडेकर ने बताया कि मध्य रेलवे के सहयोग से किए गए सर्वेक्षण में तीस नई जगहें चिन्हित की गई हैं। पिछले तीन महीनों से नए, आधुनिक सबवे डिजाइन विकसित करने पर काम चल रहा है, जो अब अंतिम चरण में है। ये सबवे केवल पैदल यात्रियों के लिए होंगे और पटरियों के नीचे वाटरप्रूफ बनाए जाएंगे, जिससे बारिश के दौरान यातायात में कोई बाधा नहीं आएगी। जल्द ही मध्य रेलवे को इसका प्रस्ताव भेजा जाएगा और मंजूरी मिलने के बाद रेलवे के फंड से यह परियोजना पूरी की जाएगी।